भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें

मई 2021 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

ग्रीष्मकालीन धान

- *इस समय धान के खेत में गंधीबग और इल्लियों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। जब गंधीबग कीटों की संख्या 2 बग/पूंजा से अधिक हो जाए तो एथोफेनोप्रोक्स 10ईसी 200 मिली/एकड़ की दर से से 200 लीटर पानी में मिलाकर पर्णीय छिड़काव करें या लामडा साइहालोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली / एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर पर्णीय छिड़काव करें ।*
- *जब इल्लियों की संख्या 1 डिंभक/पूंजा या 4-5 डिंभक/वर्गमीटर से अधिक हो जाती है, तो क्विनालफॉस 25ईसी 400 मिली/एकड़ दर से या क्लोरपाइरीफॉस 20ईसी 500 मिली/एकड़ दर पर 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इसे सुबह के समय फसल के मूल में प्रयोग किया जाना चाहिए।*
- *बीज की फसल के लिए, फूल की अवस्था पर मिश्रित बीजों के पौधों को हटा दें।*
- *शीघ्र पकने वाली प्रतिरोपित धान अब परिपक्वता के चरण में है, धूप और साफ आसमान के दिनों में जब बालियों में दाने 80-85% तक पक जाएं पक जाएं, फसल की कटाई करें ।*
- *ताजे दौनी किए हुए धान के दानों भंडारण से पहले 1-2 दिनों के लिए धूप में सुखाकर नमी को 14% तक सुखाया जाना चाहिए। बीज के प्रयोजन के लिए दानों के सुरक्षित भंडारण के लिए 12% तक नमी को सुखाना वांछनीय है।*
- *कटे हुए धान/चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए 'सुपर ग्रेन बैग' का उपयोग करें, जो लंबे समय तक अनाजों की गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को बनाए रखने में सहायक होता है।*
- *भंडारित अनाज में संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्युमिनियम फॉस्फाइड (आवासीय घरों में उपयोग न करें) 3 टिकिया/टन (कुल 9 ग्राम टिकिया) की दर से अनाजों में उपयोग करें या अनाजों की थैलियों को मोटे तिरपाल से बिना किसी फासले से ढक दें। टिकियों को स्टैक में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन पूरा करने के बाद अवशेषों को हटाने में मदद मिलती है। गैस के रिसाव को रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी/चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत से प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की न्यूनतम एक्सपोजर की अवधि बनाए रखें।*

खरीफ धान

- *चूंकि ओडिशा के अधिकांश भाग में पहले से ही पर्याप्त मात्रा में ग्रीष्मकालीन वर्षा हो चुकी है, ऊपरीभूमि और वर्षाश्रित निचली क्षेत्रों में जहां सीधी बुआई वाले धान उगाए जाने हैं, भूमि की तैयारी की जानी चाहिए ।*

- *शुष्क नर्सरी के लिए भूमि की तैयारी मानसून आने के पहले की जा सकती है।*
- *अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों , ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित स्त्रोतों से मध्यम गहरे जल के लिए वर्षाधान, दुर्गा, सीआर धान 501, सरला और गायत्री जैसी अच्छी एव विश्वसनीय किस्मों तथा गहरा जल वाले क्षेत्रों के लिए सीआर धान 500, सीआर धान 502 (जयंती धान), सीआर धान 503 (जलमणि), सीआर धान 505, सीआर 507 (प्रशांत) जैसी अच्छी एवं विश्वसनीय किस्में चुना जा सकता है।*
- *ऊपरीभूमि सीधी बुआई चावल के लिए, विश्वसनीय स्त्रोतों से सीआर धान 100 (सत्यभामा), सीआर धान 101 (अंकित), सीआर धान 102, सहभागीधान, फाल्गुनी, वंदना, अंजलि, खंडगिरि जैसी किस्मों की अच्छी गुणवत्ता वाले किस्मों को चूनें।*
- *अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों , ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित स्त्रोतों से उथले निचली वाले प्रतिरोपित चावल के लिए, सीआर धान 307 (मौड़मणी), सीआर धान 303, सीआर धान 304, एमटीयू 1001, एमटीयू 1010, नवीन, सीआर धान 310, सीआर धान 312, सीआर धान 314, डीआरआर 44, उन्नतशील ललाट, सीआर धान 301 (ह्यू), सीआर धान 800, सीआर धान 404, स्वर्णा, पूजा, स्वर्णा सब 1 और बीपीटी 5204 जैसी अच्छी गुणवत्ता वाली किस्मों को चूनें।*
- *किसानों को तटीय लवण क्षेत्र के लिए विश्वसनीय स्त्रोतों से सीआर धान 405 (लुणा संखी), सीआर धान 403 (लुणा सुवर्णा), डीआरआर 39 और लुणीश्री जैसी लवण सहिष्णु किस्मों को चूनने की सलाह दी जाती है।*
- *सिंचित मध्यम और उथली निचलीभूमि में संकर किस्में उगाने के इच्छुक किसानों को प्रतिष्ठित बीज कंपनियों से अच्छी गुणवत्ता वाले विश्वसनीय बीज जैसे अजय, राजलक्ष्मी, सीआर धान 701, केआरएच-2 और पीएचबी 71 खरीदने की सलाह दी जाती है।*
- *बाढ़ प्रवण उथली निचलीभूमि के लिए अचानक आने वाली बाढ़ सहिष्णु किस्मों जैसे स्वर्णा, स्वर्णा सब 1, रणजीत सब-1, बहादुर सब-1, बिनाधान-11 और सांबा महासुरी सब-1 किस्मों तथा अर्ध-गहरा जल वाले क्षेत्रों के लिए सीआर 1009 सब-1 जैसे किस्मों को चूनें।*
- *सूखे प्रवण क्षेत्र/उथली निचलीभूमि क्षेत्रों के लिए विश्वसनीय स्त्रोत से सहिष्णु धान की किस्में जैसे डीआरआर 42, डीआरआर 44, बीआरआरआई धान 71, स्वर्णश्रेया जैसे किस्मों को चूनें।*
- *प्रतिरोपित खरीफ धान में हरी खाद के लिए, विश्वसनीय स्त्रोत/ संगठन से ढैंचा के बीज की व्यवस्था करें।*
- *बीज उपचार के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों/दुकानों से ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्म्युलेशन (10 ग्राम/किलोग्राम बीज) की व्यवस्था करें।*